



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 533] नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 24, 1994/कार्तिक 2, 1916
No. 533] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 24, 1994/KARTIKA 2, 1916

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1994

का. आ. 763 (अ) :—केन्द्रीय सरकार का उपलब्ध जानकारी के आधार पर समाधान हो गया है कि मीथाकवालों के उत्पादन या विनिर्माण में एन.—ऐसीटिलीन-प्रानिलिक एसिड का संभवतः प्रयोग होता है और स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ में अवैध दुर्व्यापार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय, 1988 के उपबंधों को कार्यान्वित भी करना है।

अतः केन्द्रीय सरकार स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का 61) की धारा 2 के उपखण्ड 1(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि एन.—~~एन.ए.ए.ए.~~ इलायनिलिक एसिड उक्त उपखण्ड के प्रयोगों के लिए नियंत्रित पदार्थ है।

[जी.सं. 1/51/94—एन. सी. बी. (सम.)]

~~ए. क. श्रीवास्तव, सचिव, स्वास्थ्य~~

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NARCOTICS CONTROL BUREAU

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th October 1994

S.O. 763(E).—Whereas the Central Government is satisfied on the basis of available information to the possible use of N-Acetylanthranilic Acid in the production or manufacture of methaqualone, and also to implement the provisions of the United Nations Convention Against Illicit Trafficking in Narcotic Drugs & Psychotropic Substances, 1988.

Now, therefore, the Central Government in exercise of the powers conferred by Sub-clause (vii a) of Section 2 of the Narcotic Drugs & Psychotropic Substances Act, 1985 (61 of 1985), hereby declares N-Acetylanthranilic Acid as a controlled substance for the purpose of the said Sub-Clause.

[F. No. 1/51/94-NCB(COORD)]

A. K. SRIVASTAVA, Jt. Secy.